Dr. Archana Bharti
Guest Faculty, MMHAPU
MJMC/SEM 1/Paper 101
Date- 05/06/2021

मार्क्सवादी सिद्धांत (Marxist Theory)

इस सिद्धांत के अनुसार जन माध्यमों का उद्देश्य सत्य का शोध करना है। लोगों को शिक्षित करते हुए अपनी तरफ आकर्षित करना है। इस सिद्धांत को मार्क्सवादी सिद्धांत कहा गया, सोवियत नहीं। इस सिद्धांत के अनुसार जन माध्यमों का कार्य समाजवाद को सहारा देना हैं। इस सिद्धांत के अनुसार लोगों को यह पता होना चाहिए कि वे किस वर्ग में हैं। इस सिद्धांत के अनुसार प्रेस लोगों की आवश्यकताओं एवं उद्देश्यों को पूरा करता है। प्रेस की रिपोर्ट उद्देश्यपरक होनी चाहिए। प्रेस का दायित्व यह भी है कि वह लोगों के अंदर व्याप्त भ्रांत धारणाओं को दूर करे। प्रेस को बदलाव को भी प्रभावी बनाने में भूमिका का निर्वाह करना चाहिए।

मीडिया किसी भी अन्य पूंजीवादी उद्योग की तरह एक उद्योग है। इसमें उत्पादन के सभी तत्व पूंजी, कच्चा माल, तकनीक और श्रम आदि की जरूरत पड़ती है और इसमें पूंजीवादी किस्म के उत्पादन मौजूद होते हैं। इसमें एकाधिक पूंजी वाले वर्ग के स्वामित्व का मीडिया होता है। मार्क्सवादी शब्दावली में इसे बुर्जआ वर्ग कहते हैं। इसमें श्रम मूल्य का दोहन तथा मजदूरी का शोषण और अत्यधिक मुनाफा के जरिए उपभोक्ता के शोषण को आधार बनाते हैं। सैद्धांतिक तौर पर मीडिया का काम शासक वर्ग के विचारों को प्रचारित करना होता है। इसमें ऐसे विचारों को नकारना होता है जो जनता को वैकल्पिक स्त्रोत प्रदान करता है या जो कोई परिवर्तन लाने वाला विचार होते हैं।

मार्क्सवाद से प्रभावित विश्लेषकों ने आधुनिक मीडिया के सम्बंध में 'क्रिटिकल पोलिटिकल इकोनॉमी' का सिद्धांत' प्रतिपादित किया। यह सिद्धांत मुख्यरूप से आर्थिक ढांचे के साथ मीडिया उद्योग के सम्बंधों को जोड़कर देखता है और मीडिया के वैचारिक पक्ष के साथ आर्थिक राजनीतिक ढांचे के सम्बंध को जोड़कर देखता है। यहां इस बात पर जोर दिया जाता है कि मीडिया का मालिक कौन है,

मीडिया पर नियंत्रण किसका है और मीडिया की बाजार शक्तियां किस तरह अपना काम करती हैं। इस अवधारणाओं के अनुसार, मीडिया छोटे या शोषित वर्गों की उपेक्षा करता है इससे समाचारों में असंतुलन पैदा होता है। अभिजात्य वर्ग या शासक वर्ग के समाचारों को यहां प्रमुखता मिलती है। यह सिद्धांत मीडिया कार्यो का एक आर्थिक प्रक्रिया के रूप में देखता है। इस राजनीतिक, आर्थिक सिद्धांत का मूल आधार मार्क्सवादी विचारधारा है। इस आर्थिक राजनीतिक सिद्धांत के कुछ प्रमुख तत्व इस प्रकार है–

- आर्थिक पक्ष का नियंत्रण और आर्थिक कारण पर ज्यादा प्रभाव होना।
- मीडिया ढांचे का केंद्रीकृत स्वरूप की ओर बढ़ना।
- विश्व सूचना तंत्र का उदय।
- विषयवस्तु और उपभोक्ता को माल में बदल देना।
- विविधता में गिरावट आना।
- विपक्षी और वैकल्पिक विचारों का गौण हो जाना।
- संचार के सार्वजनिक हितों के व्यक्तिगत हितों में बदल जाना।

इस प्रकार मार्क्सवादी सिद्धांत आर्थिक स्वामित्व के साथ मीडिया के सम्बंध को मुख्यरूप से देखता है। बड़े औद्योगिक समूहों के द्वारा मीडिया के केन्द्रीकृत स्वामित्व के उदाहरण दुनिया भर में देखने को मिलते हैं जो मार्क्सवादी विचारों की पुष्टि करते हैं।

मार्क्सवादी सिद्धांत के मुख्य तत्व इस प्रकार हैं–

- मास मीडिया का स्वामित्व बुर्जुआ वर्ग के हाथों में है।
- मीडिया शासक वर्ग के हित में काम करता है।
- मीडिया मेहनतकश समुदाय की चेतना को कुंद या कुंठित करता है और उसमें गलत विचार प्रवाहित करता है।
- मीडिया राजनीतिक विपक्ष और विकल्प को हतोत्साहित करता है।

*****